Vinod Yadav

राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 350
दूसरा ध्रुव
Vinod Yadav

इंसान को कंट्रोल करता है उसका मस्तिष्क और जो मस्तिष्क को कंट्रोल कर सके वह इंसान को कंट्रोल कर सकता है। उसे अपने इशारों पर नचा सकता है। ध्रुव जैसे इंसान के दिमाग को भी बदल कर बना सकता है एक...

दूसरा ध्रुव

संजय गुप्ता की पेशकश

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	रंग व सुलेखः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोद कुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

© RAJA POCKET BOOKS

visit us at www.rajcomics.com

सुपर कमांडो ध्रुव की जिन्दगी का यह दिन भी आम दिनों जैसा ही है-
मैंने तुमको और मुझे जोड़ने वाले पुल को जला दिया है, ध्रुव...
... और अगर तुमने मेरा पीछा करने की कोशिश की तो चंडिका और उसकी जिन्दगी के बीच की डोर को भी जला दूंगा!

ध्रुव की मोटरसाइकल हवा में लहरा गई-
और रोबो की बाईं आंख चमक उठी-
निशाना रस्सी थी-
मैं चंडिका को जरूर बचाऊंगा! लेकिन तुझे मासूमों की जानों से खेलने के लिए आजाद नहीं घूमने दूंगा!
लेकिन मोटरसाइकल की चमकती सतह, रस्सी और किरण के बीच में आ गई-
मोटरसाइकल हवा में आधा रास्ता पार कर चुकी थी-
कि तभी-
आग की एक ऊंची लपट मोटरसाइकल के निचले हिस्से से जा टकराई-
ध्रुव का शरीर तेजी से चट्टानों की तरफ गिरने लगा-
आग, पेट्रोल तक पहुंची-
और मोटरसाइकल एक धमाके के साथ फट पड़ी-
ओफ्फ! डैम इट! इससे कहा था कि ये काम खुद न करे!
नीचे गद्दा लगाओ! जाल लगाओ! अरे, कुछ तो करो!

गद्दे में ऊपर से गिरते जलते टुकड़ों ने आग लगा दी है! गद्दे का इस्तेमाल नहीं हो सकता!
ओफ्फ! फिर कौन बचाएगा हमारे ध्रुव को?
अब ध्रुव को बचाएगा...
...खुद ध्रुव!
अरे! ये क्या चक्कर है? दो-दो ध्रुव?
चौंकिए मत! चक्कर ये है-
ओ, थैंक्स ध्रुव! बिल्कुल सही वक्त पर आए तुम! मैंने तो तुमको अपनी स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव पर डिस्कस करने के लिए बुलाया था! लेकिन तुमने तो पूरा एक्शन सीन ही दे डाला!
और खुद एक्शन सीन देने की ज़िद कर बैठे सोलोमान खान की जान भी बचा ली।
तारीफ बाद में कीजिएगा डायरेक्टर धवन! अभी खतरा टला नहीं है!
DIRECTOR
चंडिका का रोल करने वाली एक्ट्रेस अभी भी रस्सी से लटकी हुई है!
और आग रस्सी तक पहुंच चुकी है!

मैं अभी तुमको उतारता हूं! घबराना नहीं!
स्टार लाइन, लकड़ी के खंभे से लिपटने ही-
अलग हो गई-
ओह! लकड़ी जल चुकी है! यानी स्टार लाइन अटकाने की जगह नहीं बची है!
और एक मिनट के अंदर-अंदर उस लड़की को थामने वाली रस्सी टूट जाएगी! उसके गिरने के बाद उसको बचाना मुश्किल होगा!
मुझे उसको रस्सी टूटने से पहले ही बचाना होगा!
पर इतनी ऊंचाई पर मैं पहुंचूंगा कैसे?
अरे हां! पहुंच जाऊंगा!
आधे मिनट के अंदर-अंदर ध्रुव टूटी मोटरसाइकल के 'शॉक-एब्जार्बर' तोड़कर उनके स्प्रिंगों को निकाल भी चुका था-
और अपने पैर में मोड़ कर अटका भी चुका था-
और अगला आधा मिनट बीतने से पहले-पहले ध्रुव इतनी गति पकड़ चुका था-
कि चंडिका तक पहुंच सके-

लेकिन इतनी देर में रस्सी जल चुकी थी-
और 'चंडिका' का शरीर चट्टानों की तरफ रवाना हो चुका था-
ध्रुव के पास उस लड़की को सुरक्षित कैच कर पाने
सिर्फ एक ही मौका था-
और ध्रुव मौका गंवाने का आदी नहीं था-
खास तौर से जब मौका सिर्फ एक ही हो!
वाऊ! तुमने वाकई कमाल कर दिखाया ध्रुव!
ये काम तो मैं भी कर दिखाता!

बस, थोड़े से स्पेशल इफेक्ट डालने पड़ते! हा हा हा!
लोग मुझे सुपरस्टार कहते हैं ध्रुव! लेकिन मैं तो तुमको सुपरस्टार मानता हूं! मैंने बहुत से रोल किए हैं लेकिन तुम पर बनने वाली इस फिल्म में तुम्हारा रोल करने में जो मजा आ रहा है वह मुझे पहले कभी नहीं आया है!
तारीफ के लिए शुक्रिया, सोलोमन...
... लेकिन यह तो बताओ कि तुमने मोटरसाइकल वाला स्टंट खुद क्यों किया? यह काम तो स्टंटमैन का था या स्पेशल इफेक्ट की मदद से भी किया जा सकता था!
यह इसकी जिद का नतीजा था ध्रुव! इसका कहना था कि जो काम ध्रुव कर सकता है वह काम मैं भी कर सकता हूं!
अब नहीं कहूंगा!
वैसे भी सोलोमन ने अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत एक स्टंटमैन के तौर पर ही की थी! ये खतरों से कभी नहीं घबराता! बल्कि उल्टा उनको चैलेंज समझता है!
यार धवन, मैं ध्रुव का रोल कर रहा हूं, कोई मजाक नहीं! कुछ तो रियलिटी आनी चाहिए न!
जब टांग तुड़वाओगे तब पूछूंगा 'रियलिटी' का मतलब! आओ ध्रुव! अब काम की बात करते हैं!
ये हमारे स्क्रिप्ट राइटर टोनी बक्शी हैं! ये जानना चाहते हैं कि अगर ग्रैंडमास्टर रोबो, ध्रुव पर लेसर बम छोड़े तो...
वाऊ! हाऊ हैंडसम! मेरा तो मन कर रहा है कि एक बार फिर ऊपर से कूद पड़ूं!
ध्रुव, अपने ऊपर बन रही फिल्म में व्यस्त था-

और राजनगर का 'मानसिक चिकित्सा केंद्र' भी, जिसको आम भाषा में पागलखाना कहते हैं, आज चहल पहल से भरा हुआ था-
इस खास समारोह में, मैं डॉक्टर सोडावाला इस चिकित्सा केंद्र के डायरेक्टर की हैसियत से आप सभी न्यूरोलोजिस्ट्स यानी मस्तिष्क विशेषज्ञों का स्वागत करता हूँ! आप सबको यहां पर बुलाने का कारण एक क्रान्तिकारी आविष्कार है, जो आप सभी का काम बहुत आसान कर देगा! इस आविष्कार को मैंने अपने सहयोगियों के साथ डेवलप किया है और इसको नाम दिया है 'न्यूरोगाइड'...
...और ये न्यूरोगाइड कोई बड़ी सी मशीन नहीं है! ये एक मामूली साइज वाला हेलमेट है! लेकिन इसके साइज पर मत जाइए, इसके काम को देखिए! ये अपने आप में एक संपूर्ण मशीन है! इसके दो हिस्से हैं। एक हिस्सा दिमाग को स्कैन करके उसके अंदर की खराबी का पता लगाता है...
...और दूसरा हिस्सा उस खराबी को दूर कर देता है! ये इंसानी या पशु मस्तिष्क के हर हिस्से के साथ छेड़-छाड़ कर सकता है! नए न्यूरानों को पैदा कर सकता है! और उन न्यूरानों के जरिए दिमाग के अलग-अलग हिस्सों के बीच नए-नए कनेक्शन पैदा कर सकता है!
ये मशीन अभी टेस्टिंग स्टेज में है, लेकिन इसके टेस्ट पूरे होने के बाद इस दुनिया से पागलपन का नाम मिट जाएगा! हम किसी भी पागल के दिमाग की खराबी का आसानी से पता भी लगा सकेंगे, और उस खराबी को दूर भी कर सकेंगे!
सबसे खास बात ये कि इसको मरीज के सिर पर नहीं लगाना है! ये डॉक्टरों के सिर पर पहनने के लिए है.

उसी वक्त- मानसिक चिकित्सालय के दूसरे हिस्से में-
जिस काम के लिए हम यहां पागल बनकर बैठे हुए हैं वह करने का वक्त आ गया है, यहां की सिक्योरिटी, हमारे सेलों के पास से हटकर सन्देह स्थान पर अन्य डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए चली गई है, यहां पर सिर्फ एक गार्ड है! ... इसको रास्ते से हटाकर सेल से बाहर निकलना मामूली काम है।
पहले बाहर निकलो बॉस! फिर बाकी का काम हम कर देंगे!
इसी से! बिजली की लहर को सहने की ताकत से मैंने इतने दिन के लिए छुपाकर रखा हुआ था।
और फिर-
आऽऽऽ
गोल्ड जी! गोल्ड जी!
देखो न! ये मरने में बहुत हल्ला कर रहा है।
अरे! फिर लड़ने लगे, अभी बताता हूं मैं तुम सबको, इन इलेक्ट्रिक डंडे से!
लेकिन नहीं। तुम मुझे पागल समझते हो, मैं दरवाजा खोलूंगा, अंदर आकर दो पागलों को रोकूंगा तो बाकी पागल बाहर भाग जाएंगे। मैं पहले और गार्डों को बुलाऊंगा।
और फिर खोलूंगा दरवाजाSSSSSSS
दरवाजा हम खुद खोल लेंगे!

तू हमको सिर्फ ये चाबियाँ दे दे!
और कुछ ही सेकेंड्स के बाद-
स्टेप नंबर दो! ये ले चाबियाँ! और सभी पागलों के सेलों को खोल दो!
आजाद कर दो पागलों को! ताकि सिक्योरिटी
को समारोह स्थल छोड़कर इधर भागकर आना पड़े!
समारोह स्थल पर-
तुम लोग कहाँ जा रहे हो?
कई पागल अपने सेल खोलकर आज़ाद हो गए हैं! दंगा फैल गया है!
पर आप फंक्शन जारी रखिए! हम स्थिति को संभाल लेंगे!

ओ माई गॉड! सारे के सारे सेल खुल गए हैं!
हम इतने सारे पागलों को एक साथ नहीं संभाल सकते, सारे गार्डों को बुलाओ!
समारोह स्थल पर यह खबर पहुंचते देर नहीं लगी-
उ... अब हम यहां पर नहीं रुक सकते, आपका अविष्कार हम फिर और टाइम पर देखेंगे डॉक्टर!
अरे! अरे! सुनिए तो! घबराने की कोई बात नहीं है, यही तो मौका है न्यूरोगाइड की सही टेस्टिंग करने का!
कोई सुन ही नहीं रहा! सभी भागते जा रहे हैं! खैर भागने दो!
मैं तो इस यंत्र की टेस्टिंग जरूर करूंगा!
अभी बाहर जाकर पागलों की भीड़ को रोकता हूं!
जरूर रोकना डॉक्टर!

लेकिन पहले तुमको तो रोक लो!
तुम, तुम कौन हो? यहाँ तक कैसे आ गए? गॉर्डों ने तुमको रोका क्यों नहीं? गॉर्ड्स! गॉर्ड्स!
क्यों खामख्वाह गला फाड़ रहे हो. अपना गला फाड़ने का शुभ कार्य तुम मुझ पर छोड़ दो.
वैसे भी सारे गॉर्ड्स उन पागलों को रोकने में व्यस्त हैं जिनको मैंने आजाद कर दिया है! तुम्हारी मदद को कोई नहीं आएगा!
तुम्हारी मदद अगर कोई कर सकता है तो सिर्फ तुम खुद! यह 'न्यूरोगाइड' मुझे दे दो और अपनी जान बचा लो!
आऽऽह! सनक्की! जिसकी मुझे आशंका थी वही हो रहा है! यह न्यूरोगाइड गलत हाथों में पड़ने जा रहा है.
पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा. मैं इसको तोड़ दूंगा!
लेकिन तुमको काबू में करने के बाद! अभी मैं तेरे दिमाग को स्कैन करके तुझे भेड़िये से मेमना बना दूंगा!
य... ये आप क्या कर रहे हैं सर?

ये तूमने क्या किया ?
मुझे लगा कि वह 'इलेक्ट्रिक बोल्ट आपको मार डालेगा।
ओफ्! जमीन पर गिरने से 'न्यूरो गाइड' में कुछ खराबी हो गई है। मैं इसको ठीक कर सकता हूं। पर मुझे कुछ वक्त चाहिए।
वह वक्त तुमको नहीं मिलेगा।
आऽऽऽऽह!
हा हा हा! एक बार भी नहीं झेल पाया! अब 'न्यूरो गाइड' मेरा है, सिर्फ मेरा!

नहीं! तुम्हारे पास अगर कोई चीज होगी तो सिर्फ जेल की अंधेरी काल कोठरी।
लाइट तो तुम खुद जला ही लोगे।
सुपर कमांडो ध्रुव! तुम यहां कैसे आ गए?
राजनगर में इतनी बड़ी घटना घटे, और ध्रुव को पता न चले, ऐसा कभी हो ही नहीं सकता है!
तूने मुझसे उलझकर मौत को दावत दी है। खत्म कर दो इसे!
मैं तब तक उस बूढ़े से यंत्र छीनकर लाता हूं, जो उसे लेकर भाग रहा है!

ओफ्फ! मैं इनके पीछे नहीं जा सकता। मुझे यहां पर रुककर इन दोनों को काबू में करना ही होगा। वर्ना इनकी गोलियों से बेहोश डॉक्टर को खतरा हो सकता है।
अबे, बचा के!
सबसे पहले गोलियों की बौछार को डॉक्टर के शरीर से दूर ले जाना होगा।
ध्रुव, गोलियों की बौछार को छकाता हुआ-
कुर्सियों की तरफ जा कूदा, और गोलियों का रुख भी उधर ही मुड़ गया-
यार, बॉस खुद तो आराम करने चला गया, और हमको मुसीबत थमा गया।
'ध्रुव को रोके रहना'! जैसे ध्रुव को पट्टा पहनाकर चेन हमारे हाथ में दे गया हो!
अरे! कहां गया? अभी तो कुर्सियों के पीछे नजर आया था!
वह जरूर उस खुले दरवाजे से बाहर निकल गया है। चलो, बला टली!
बला टली कहां? बाहर निकलकर तो वह सीधा बॉस के पास जाएगा, चलो उसके पीछे... अरे! लाइटों को क्या हुआ?
किसी ने स्विच ऑफ कर दिया है! और यह काम ध्रुव का ही होगा! यानी वह हॉल के अंदर ही है, बाहर नहीं!
वह रहा स्टेज पर!

गोलियाँ बेतहाशा दगीं! और अंधेरे में चमक रहे ध्रुव के शरीर में छेद ही छेद होने चले ग
भून डालो इसे, इसको बैंच के पीछे जाने मत देना,
ये गोलियां तो खा रहा है, लेकिन न तो इसके बदन से खून निकल रहा है, और न ही ये गिर रहा है.
ये कैसे संभव है?
क्योंकि मैं तुम्हारे पीछे हूं। तुम गोलियां मेरी उन प्रोजेक्टेड आकृति पर चला रहे हो, जो स्लाइड प्रोजेक्टर के द्वारा प्रोजेक्शन बोर्ड पर दिखाई दे रही है। अंधेरे के कारण तुम धोखा खा गये और इसमें फर्क महसूस नहीं कर पाए।
अब डॉक्टर को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर मुझे उस चलते-फिरते जेनरेटर की तलाश में जाना है।
भला हो डायरेक्टर धवन का जिसने मेरे मना करने-करते भी फिल्म की रील के कुछ टुकड़े मुझे देखने को धरा दिए थे।
उन टुकड़ों में ध्रुव और सोलोमन की तस्वीरें भी थीं जिनको मैंने स्लाइड प्रोजेक्टर में डालकर दिखाया और ये दोनों मूर्ख बन गए।

ध्रुव को जिसकी तलाश थी वह 'न्यूरोगाइड' की तलाश से था-
अरे, असिस्टेंट डॉक्टर के बच्चे! तू क्या समझता है कि अगर तू 'मेंटेनेंस रूम' में घुसकर दरवाजा अंदर से बंद कर लेगा तो शॉकर तुझ तक पहुंच नहीं सकता, गलतफहमी है तेरी!
अरे आप खोल दे दरवाजा! वर्ना मैं यह दरवाजा ही तोड़ दूंगा!
असिस्टेंट डॉक्टर पाण्डे के पास यह बकवास सुनने का वक्त नहीं था-
कुछ देर और डायलाग मारता रह शॉकर! ताकि तब तक मैं 'न्यूरोगाइड' को ठीक करके तुझे शॉक दे सकूं!
मैंने इसको डेवलप करने में डॉक्टर की मदद की है, इसीलिए मैं इसको ठीक करना भी जानता हूं, और इसको इस्तेमाल करना भी जानता हूं!
हुंह! ये ठीक हो चुका है, अब मैं शॉकर का दिमाग दुरुस्त करने के लिए तैयार हूं!
शॉकर भी तेरा दूसरी दुनिया का टिकट काटने के लिए तैयार है!
न्यूरोगाइड तेरे दिमाग को स्कैन कर रहा है! मुझे तेरे दिमाग का वह हिस्सा भी मिल गया है जो तुझे आपराधिक हरकतें करने पर मजबूर कर रहा है! मैं अभी 'न्यूरानों' के द्वारा इस भाग का कनेक्शन तेरे दिमाग के धार्मिक हिस्से से जोड़ देता हूं! फिर तू अपराधी से साधु बन जाएगा!
पर मेरा अभी लंगोट बांधने का मन नहीं है!
आऽऽऽह!

बिजली की गति, स्कैनिंग करने की गति से ज्यादा तेज थी-
और उतनी ही तेज गति से लपके थे
के हाथ, न्यूरोगाडड की
लेकिन ध्रुव की गति, उससे भी तेज थी-
आऽऽऽह! मुझको पता था कि तुमको मेरे आदमी रोक नहीं पाएंगे, लेकिन मुझे यह उम्मीद नहीं थी कि तुम इतनी जल्दी आ जाओगे,
खैर! इस बार तो न्यूरोगाडड कहीं जा नहीं सकता... इस बार मैं पहले...

कमाल है! इतने सारे कबाड़ों के बीच में से भी तू उछल-उछल कर मेरी लहराती तरंगों से बचते रहा है; तब तो कुछ मेरा इंतजाम करना पड़ेगा कि तू मेरी 'इलेक्ट्रिक वेव्स' से बच न सके!
जैसे इस लोहे की पट्टी में 'इलेक्ट्रो मैग्नेटिक वेव्स' दौड़ाकर इसको चुंबक बनाना!
और फिर इसको तुम्हारी तरफ फेंकना! अब चाहे तू लाख इधर उछल ले, लेकिन ये चुंबक आके अब तेरी बेल्ट या ब्रेसलेट से जा चिपकेगा!
और फिर मेरी 'इलेक्ट्रिक शॉक वेव्स' के वार से न तो इतना बड़ा निशान बच पाएगा...
...और न ही तू!

इस भयंकर झटके ने ध्रुव के शरीर को बिस्तर पर ला पटका-
आहा! अब इससे पहले कि तू संभले, मेरा दूसरा 'इलेक्ट्रिक बोल्ट' तेरे खून को सुखा देगा!
ऊफ्फ! अब तो बदन को फुर्ती से हटाना तो दूर, हिलना तक मुश्किल है। अब कैसे बचूं इसके इलेक्ट्रिक वारों से?
ओ! इलेक्ट्रिक बोल्ट ने मुझे सही जगह पर ला पटका है!
बस, पागलों को बिजली का झटका देकर इलाज करने वाली यह मशीन चालू हालत में हो!
हे! यह मशीन काम कर रही है!
ध्रुव ने मशीन के 'नॉब' को घुमाकर 750 वोल्ट पर सेट कर दिया-
220V
440V
750V
और ध्रुव की जान लेने के लिए चला वह 'इलेक्ट्रिक बोल्ट', पागलों के सिर पर फिट किए जाने वाले 'हेलमेट' से आ टकराया-

और एक धमाके के साथ शॉकर की कलाइयों पर बने 'शॉक ब्रेसलेट' फट पड़े-
अरे! ये... ये कैसे हो गया? मेरे... मेरे शॉक ब्रेसलेट टूट कैसे गए?
क्योंकि तुम्हारी 'शॉक बेल्ट' ने तुमको तो चूंकि इस मशीन में बहते करंट से कर दिया था, और इस मशीन में तुम्हारे ब्रेसलेटों से ज्यादा हाई वोल्टेज दौड़ रहा था। और ये तो आठवीं कक्षा का बच्चा भी जानता है कि करेंट का प्रवाह हमेशा ज्यादा वोल्टेज से कम वोल्टेज की तरफ होता है।
ध्रुव बचो, पागलों की टकटोली इधर ही आ रही है।
और इस हाई वोल्टेज के तुम्हारे ब्रेसलेट तक पहुंचते ही इसकी तीव्रता के कारण ब्रेसलेटों के परखच्चे उड़ गए...
आ रही नहीं है, आ चुकी है। किस्मत मेरे साथ है। ये मुझको पागल के रूप में पहचानते हैं। इसीलिए ये मुझे नहीं सिर्फ तुमको रोकेंगे! तुम इनसे निपटो! ...

...तब तक मैं न्यूरोगाइड को इनके सही ठिकाने पर पहुंचा देता हूं!
इनको रोको, ध्रुव, किसी भी तरह से रोको!
कैसे रोकूं डॉक्टर? पागलों की टोली तो हमको इस कमरे से बाहर जा ही नहीं दे रही है! और मैं इनको नुकसा पहुंचाना नहीं चाहता।
अगर 'न्यूरोगाइड' अभी मेरे पास होता तो मैं इनको एक सेकंड में कंट्रोल कर लेता।
कोई बात नहीं! मेरे पास 'नर्व गैस' से भरे कैप्सूल हैं! इनको फोड़कर मैं इन पागलों को बेहोश कर देता हूं! फिर हम न्यूरोगाइड हासिल करने चलेंगे।
सांस रोक लीजिए डॉक्टर।
लेकिन—
ओफ! नर्व गैस ने तो इनको बेहोश करने के बजाय इनके दिमागों को और उत्तेजित कर दिया है! अब तो शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा।
तुम्हारी नर्व गैस से ज्यादा भयंकर तो इनके पास से आ रही बदबू है। हे भगवान, ये अधिकतर पागल पानी से डरते क्यों हैं! दस-दस दिनों में एक बार इनको नहलाया जा पाता है। और वह भी बड़ी मुश्किल से।
ये पागल पानी से डरते हैं! तब तो काम बन गया! इनको नहलाना पड़ेगा। पर इन सबको एक साथ नहलाने लायक पानी आएगा कहां से?

झलक झपकते ही ध्रुव अपनी बेल्ट में से सिग्नल फ्लेयर को निकालकर उसे छत में लगे 'स्मोक सेंसर' पर छोड़ चुका था-
और फ्लेयर का असर होते ही छत पर लगा 'स्प्रिंकलर सिस्टम' चालू हो गया-
देखते ही देखते कमरा एक बहुत बड़े बाथरूम में तब्दील हो गया-
और सभी पागल, पानी से भीगने लगे-
ई या या SSSS
पानी से घबराए पागल सीधे अपने-अपने सेलों में जाकर ही रुके-
वाह! ये कमाल कैसे हो गया? ये तो अपने आप, अपने सेलों में जा घुसे!

ये कारनामा ध्रुव का है.
ये सब 'मेंटेनेंस रूम' में घुस आए हैं।
मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। ये कमाल भला और कौन कर सकता है! पर एक बात समझ में नहीं आई! ये पागल तो हमारे यहां के सबसे खतरनाक पागल हैं। इनकी टोली ही आपके पास मेंटेनेंस रूम में क्यों पहुंची?
इससे भी अहम सवाल यह है कि ये पागल 'मेंटेनेंस रूम' तक पहुंचे कैसे? क्योंकि पागलों के रहने के हिस्से और मेंटेनेंस रूम के बीच में तो ग्रिल का दरवाजा लगा रहता है, जिसमें हमेशा ताला बंद रहता है।
आओ, चेक करते हैं.
जल्दी ही-
देखो! ये ताला तोड़ा नहीं गया, बल्कि खोला गया है। किसी ने जानबूझकर खतरनाक पागलों को मेंटेनेंस रूम की तरफ भगाया था!
ओह! यानी जो कुछ भी हो रहा है, वह सोची समझी साजिश के तहत ही हो रहा है.
उस 'शॉकर' का कुछ पता चला? 'न्यूरोगाइड' लेकर वह किस तरफ गया है?
उसको किसी ने नहीं देखा! यहां रहने के कारण वह यहां के सभी रास्तों की अच्छी जानकारी रखता है। हमको आशंका है कि वह बाहर जाने में सफल हो चुका है.
ओफ्! अब भगवान ही जाने कि वह 'न्यूरोगाइड' का कैसे इस्तेमाल करेगा! अब तो वह कुछ भी कर सकता है!
खतरा शॉकर से नहीं, किसी और से है! मुझे यकीन है कि शॉकर ने यह काम किसी और के लिए किया है.

एक मिनट! एक मिनट! पहले मैं चेक तो कर लूं कि तू सही माल लेकर आया है, या फिर माल का डुप्लिकेट ले आया है।
क्यों?
क्योंकि मेंटल अब तुझको पागलखाने भेजने जा रहा है! सचमुच का पागल बनाने के बाद।
अब चाहे तू बचे या पकड़ा जाए, मुझे कोई खतरा नहीं है।

लेकिन न्यूरोगाइड ने मैंटल के दिमाग पर भी थोड़ा बहुत असर किया था -
आऽऽऽह!
ओह! ... हां, अब ठीक है! अब मेरा न्यूरोगाइड के ऊपर पूरा कंट्रोल है! और अब मैं उन लोगों से संपर्क करने के लिए तैयार हूं, जो अपराध जगत के इतिहास का सबसे बड़ा 'किलिंग-पेमेंट' देने के लिए तैयार हैं! पांच सौ करोड़ रुपए का कांट्रेक्ट! और काम है...
... हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री की हत्या!

डॉक्टर लोहावाला के शरीर पर जो जीवनरक्षक मशीन फिट है वह भी डॉक्टर लोहावाला का ही आविष्कार है। ये मशीन एक ऐसे कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी हुई है जो दिमाग का स्कैन करके दिमाग में हुई समस्या का पता लगा लेती है।
और उस समस्या को दूर कर सकने वाली सही दवा का चुनाव करके, उस दवा को इंजेक्शन के ज़रिए मरीज के शरीर में पहुंचा भी देती है।
डॉक्टर का काम सिर्फ मरीज़ की हालत पर नज़र रखना होता है।
अगर ये होश में आ जाएं तो 'न्यूरोसाइड' तक पहुंचने का कोई न कोई रास्ता ज़रूर बता सकते हैं।
सर। सर। वह शेकर... शेकर वापस यहाँ आ गया है।
क्या? मैं अभी जाकर उससे निपटता हूँ।
उससे निपटने की ज़रूरत नहीं है। वह पागल होकर वापस आया है, अब वह सचमुच का पागल है।
यानी मेरा शक सही था, शेकर द्वारा 'न्यूरोसाइड' चुराने का काम, किसी और के दिमाग की उपज है। लेकिन उसने शेकर को सचमुच का पागल बनाकर उस तक पहुंचने का रास्ता बंद कर दिया है।
अब हम सिर्फ उसके हरकत में आने का इंतज़ार ही कर सकते हैं।
और फिर-
हाय, हीरो, ऐसे मुंह क्यों लटका रहे हो? हैंडसम सोलेमान से मिलकर इंफीरिओरिटी कॉम्प्लेक्स तो नहीं हो गया?
मेरा हैंडसम और हैंडसम हो जाता, अगर मैं न बचाता तो उसके हाथ-पैर टूट गए होते।
फ़ूsss, जलन की गर्मी यहां तक आ रही है।
खैर, बताओ, कब मिलवा रहे हो मुझे अपने फेवरिट हीरो से?

दुनिया पर तो हर घंटे कोई न कोई खतरा आता ही रहता है! ऐसा न हो तो तुम्हारी तो दुकान ही बंद हो जाएगी, दुनिया को बचाने का ठेका जो तुमने ले रखा है!
अच्छा, अच्छा,
ध्रुव, श्वेता को पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया-
भइया, ये तो पागलों की आपस की बात है! तुम बीच में क्यों पड़ते हो?
वैसे भी जिसके पास वह यंत्र है उसको चलाना तो उसे आता ही नहीं होगा।
पागलों की संगत से दूर रहो तो ऐसे आइडिया तुमको भी आ जाएंगे।
एक और अच्छा आइडिया, तुमसे दूर रहना पड़ेगा, मैं चला सिस्टर!
यही तो मुख्य समस्या है! जोकर का पागल होना यह साबित करता है कि न्यूरोगाइड को चलाना कोई और भी जानता है।
कमाल है! ये तो सचमुच ब्रिलियेंट आइडिया है! तेरे दिमाग में ये आइडिया कैसे आया?
और मैं भी चली! मुझे आभास हो रहा है कि ध्रुव को चंडिका की जरूरत पड़ सकती है।

हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री हमेशा एस. पी. जी. यानी स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप की सुरक्षा में रहते हैं। इस सुरक्षा घेरे के अन्दर परिंदा तक पर नहीं मार सकता। इसे ही पार किया जाना है -
प्रधानमंत्री के साथ हमेशा कारों का एक बड़ा काफिला सफर करता है। किसी को यह नहीं पता होता कि किस बुलेटप्रूफ कार में प्रधानमंत्री बैठे होते हैं -
POLICE
जिस जगह पर प्रधानमंत्री जाते हैं वहां पर कर्फ्यू जैसा नजारा हो जाता है। सिर्फ अधिकारिक लोगों को ही आने-जाने की इजाजत दी जाती है-
उस इलाके की हर ऊंची इमारत पर अचूक निशानेबाज तैनात कर दिए जाते हैं-
और प्रधानमंत्री को सुरक्षाकर्मी इस तरह से घेरे रहते हैं कि किसी संभावित हत्यारे की गोली तक तो क्या, उसकी नजरें तक उन पर न पड़ पायें-
ये फुलप्रूफ सुरक्षा घेरा होता है और इस घेरे को अगर कुछ पार कर सकता है तो सिर्फ बदकिस्मती-
जो किसी भी रूप में आ सकती है-
We WELCOME
PRIME MINIS

सुपर कमांडो ध्रुव-
ध्रुव, यहां पर!
मैं प्रधानमंत्री जी को बचाने आया हूं।
ने प्रधानमंत्री जी को मारने की कोशिश की थी।
ये... ये झूठ बोल रहा है। मैंने तो गन इसको आता देखकर निकाली थी।
इस दावे की सच्चाई तो तुरन्त पता चल जाएगी। ऊंची बिल्डिंगों पर तैनात निशानेबाज यहां पर नजर रखे हुए हैं
वे बता सकते हैं कि पहले मैं आया था या पहले इसने बंदूक निकाली।
अभी पता करता हूं।
एक मिनट के अंदर-अंदर सच्चाई सामने आ गई-
तुम्हारा कहना सही है ध्रुव, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसने जब गन निकाली, तब तुम्हारा कहीं कोई निशान नहीं था, इसने ऐसी हरकत करके अपनी मौत को दावत दी है।
इस घटना के लिए कतई जिम्मेवार नहीं है। जिम्मेवार कोई और है...

जिम्मेदार नहीं है। फिर कौन है इस दुस्साहस का जिम्मेदार?
मैं उसी की तलाश में जा रहा हूं। उम्मीद है कि मैं जल्दी ही उसको पकड़कर आपके हवाले कर सकूंगा!
कौन है वह? उसको बताओ! हम उसको पकड़ेंगे। उसको पकड़ना हमारी जिम्मेदारी है।
माफ कीजिएगा! सुनने में छोटा मुंह और बड़ी बात लग सकती है,...
लेकिन उसको पकड़ना आपके लिए जरा मुश्किल हो सकता है। ये काम मुझे ही करने दीजिए।
जो काम ये कर सकता है वह एस. पी. जी. नहीं कर सकती, क्या बकवास है?
इस पर नजर रखनी होगी कि ये किधर जा रहा है?
क इन्सान की छत पर-
ओह! इस शैतान ने बीच में टपककर मेरी योजना को मिट्टी में मिला दिया! अब यहां से निकलकर दूसरी ट्राई का इंतजार करना पड़ेगा।
दूसरी ट्राई के लिए तुम्हारा इंतजार थोड़ा लंबा हो सकता है!...

जैसे बीत लाल का इंतजार। और ये इंतजार तुमको जेल की सलाखों के पीछे बैठकर करना होगा।
ध्रुव! तू यहां पर भी पहुंच गया लेकिन कैसे? तुझे मेरे प्लान का पता कैसे लगा? और तुझे ये कैसे पता चला कि मैं यहां पर छुपा हुआ हूं।
तुमको मेरी दोस्त चिड़ियों ने ढूंढा है। सच पूछो तो तुमको नहीं, तुम्हारी तोप को ढूंढा है। और एक बार यह पता चलने के बाद तुम उसी जगह पर हो जहां पर प्रधानमंत्री जी आ रहे हैं, यह समझना मुश्किल नहीं था कि तुम्हारा प्लान क्या है! मैं रुककर तुम्हारा प्लान जानने की कोशिश कर रहा था। पहले मैंने तुम्हारा प्लान फेल किया, और फिर इस जगह पर मंडराती चिड़ियों के झुंड को देखकर मैं यहां पर पहुंच गया!

हां, ध्रुव! अब तुम बीच से हट जाओ! अब इनको संभालना एस.पी.जी. का काम है।
ओह! आप लोग यहां क्यों आए? मैंने पहले ही कहा था कि इनको संभालना आपके बस की बात नहीं है।
किस्मत मेरे साथ है ध्रुव! अब मैं इनको अपना गुलाम बनाऊंगा! फिर तुम इनसे निपटते रहना!
और मैं उसी 'स्कैफोल्ड' की मदद से नीचे उतर जाऊंगा, जिसकी मदद से मैं ऊपर आया था।
अब तो मैं भी बड़ा आदमी बन गया! आज मुझको भी एस.पी.जी. सुरक्षा मिल गई!
ध्रुव से!
अब मुझे भागने से कोई नहीं रोक सकता।
इस बात पर

कौन है तू जो मेटल के साथ पंगा ले रही है,
वर्ना शर्त हार जाओगे,
चंद्रिका! तू मेटल है तो मैं मेकेनिक हूं। तेरे जैसे बिगड़े दिमागों के ढीले पेंचों को टाइट करती हूं।
यह तो मेरा काम तू शायद जानता नहीं है कि मैं क्या कर सकता हूं। तेरे दिमाग का एक-एक पुर्जा दिख रहा है मुझको।
देख कि अब तेरे दिमाग के साथ मैं क्या करता हूं!

उसी इमारत की छत पर ध्रुव, मैंटल द्वारा पैदा की गई समस्या से जूझ रहा था-
ये मामूली अपराधी नहीं, बल्कि उच्चतम स्तर पर ट्रेनिंग पाए हुए कमांडोज हैं। ऐसे एक से ही निपटना मुश्किल है, फिर ये तो तीन-तीन हैं।
फिर से अपने चिड़िया दोस्तों की मदद लेनी होगी।
चूं चूं चीं चीं चीं।
चिड़ियों का अटैक हुआ तो लेकिन इस बार चिड़ियों का सामना कमांडोज से था-
वैसे ही अचानक खतरा भी हो गया-
आऊऽऽऽ अब ये भारी विस्फोटकों का प्रयोग कर रहे हैं।
अब तो इन तीनों से एक साथ ही निपटना पड़ेगा, और वह भी जल्दी।
एक-एक गोली तीन-तीन चिड़ियों को निशाना बना रही थी। अटैक जैसे शुरू हुआ था-
इनके पैर जमीन से या कहो छत से उखाड़ने पड़ेंगे। और जो चीज इनके पैर उखाड़ सकती है वह मुझे नजर आ रही है।
धड़ाम

और वह तरीका है
इन टंकी को...
...पलssssट देना! ताकि छत पर पानी की बाढ़ आ जाए...
...और वह बाढ़ इन तीनों को टूटी मुंडेर के रास्ते से बहा कर नीचे फेंक दे...
...लेकिन मैं इनको जमीन तक पहुंचने से पहले ही...
...हवा में लटका दूंगा! अब एस. पी. जी. कमांडोज हवा में लटके रहेंगे!...

और मैं मेंटल के पीछे न लगूंगा. वह इस तरफ 'स्कैफोल्ड' पर चढ़कर नीचे उतरा था।
अब पता नहीं कि वह आसपास ही है या भाग चुका है।
मेंटल को चंडिका ने भागने नहीं दिया था-
तूने मुझे रोककर पागलखाने जाने का टिकट कटा लिया है चंडिका।
अब मैं तेरे दिमाग को स्कैन करके तुझे पागल बना दूंगा।
मैं तेरे दिमाग के हर हिस्से को साफ-साफ देख रहा हूं।
एक-दो सेकंड के अंदर ही...
तड़ाक
अरे! स्कैनिंग इमेज में डिस्टर्बेंस कैसे आने लगी? मुझे तेरे दिमाग की इमेज साफ-साफ क्यों नहीं दिख रही है?
वह इसलिए क्योंकि मेरी बेल्ट में लगा 'मैग्नेटिक फील्ड क्रिएटर' तेज मैग्नेटिक फील्ड पैदा कर रहा है!
और तुम्हारा यंत्र मैग्नेटिक किरणों के जरिए ब्रेन को स्कैन करता है, जब दो मैग्नेटिक फील्ड मिलती हैं तो एक-दूसरे के असर को कम करने लगती हैं।

यहाँ पर ढेर
और उन पर ढेर
पैकेट हैं। किसी न किसी पैकेट
काम की चीज होगी ही
तेरे दिमाग की तो नहीं लेकिन इन पैकेटों की स्कैनिंग तो न्यूरोगाइड अभी भी कर सकता है।
आऽऽऽहा! मिल गए मुझको अपने मतलब के पैकेट।
इनमें वे केमिकल भरे हुए हैं जो हवा के संपर्क में आते ही जल उठते हैं, अब ये पूरा हॉल आग से दहक उठेगा।
ये आग मेरे इन्सुलेटेड न्यूरोगाइड को तो कोई नुकसान नहीं पहुँचा पाएगी, लेकिन तेरी बेल्ट में लगे मैग्नेट को जरूर खत्म कर देगी। जानती है न कि आग, चुम्बकत्त्व की जानी दुश्मन होती है?
से पहले मैं तेरे न्यूरोगाइड को तेरे सिर से उतार दूंगी।
अरे! अरे! छोड़ मेरा न्यूरोगाइड।

तेरी पकड़ मजबूत है, लेकिन मैं तेरी पकड़ को ढीली करके रहूंगा।
धक्का खाकर पीछे हटता चंडिका का शरीर गर्म हो चुकी अलमारी की शीट से जा चिपका-
और चंडिका की पकड़ एक चीख के साथ ढीली होकर खुल गई-
हा हा हा। अब तेरा हेलमेट मेरी स्कैनिंग में व्यवधान भी नहीं डाल पा रहा है। मुझे तेरा दिमाग फिर से साफ दिख रहा है।
मेंटल को पता नहीं चला कि चंडिका का दिमाग गुलामी की सीमा पार कर पाया था या नहीं-
अब बनेगी तू मेरी गुलाम।
क्योंकि तभी उसका शरीर हवा में उड़ता हुआ दो अलमारियों को पार कर गया-
चंडिका को अपने दिमाग में लाखों गर्म सुईयां एक साथ चुभती हुई सी महसूस हुई-

ध्रुव, तो आखिरकार तू मुझको ढूंढता हुआ आ ही गया, लेकिन तू जरा देर से आया है। इस लड़की को तो मैंने अपना गुलाम बना लिया है। अब तेरी बारी है।
अब मैं तेरे दिमाग का स्कैन करके तुझको अपना गुलाम बनाऊंगा, और फिर तुझे बनाऊंगा अपना किलर नंबर वन।
स्कैन करने के लिए तुझको दिखाई देना जरूरी है। अगर तुझको नजर नहीं आएगा तो तुम स्कैन इमेजों को देखोगे कैसे?
आऽऽऽह, आऽऽऽह! ये क्या चीज है जिसको तूने मुझ पे उड़ाया है।
मेरी आंखों में आंसू आ रहे हैं। तेज जलन हो रही है।
ये प्याज के रस सा असर करने वाला एक तेज केमिकल है।
जो अब तुझको सारी जिन्दगी रुलाता रहेगा। अपनी नाकामयाबी को याद करके रोते ही रहोगे तुम।
मेंटल कभी नहीं रोता...
... सिर्फ रुलाता है।

चंडिका! ये... ये तुम क्या कर रही हो? होश में आओ चंडिका, होश में आओ.
अब ये मेरी गुलाम है ध्रुव! ये होश में तभी आएगी जब मैं चाहूंगा। फिलहाल तो इसका काम सिर्फ तुमको रोककर रखना है, ताकि मैं भीड़ बढ़ने से पहले यहां से निकल सकूं।
आऽऽऽह! ये तो सचमुच पागलों की तरह लड़ रही है. और मैं इसको चोट पहुंचाना नहीं चाहता!
लेकिन कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा! वर्ना मैंटल हाथ से निकल जाएगा।
ध्रुव की उस किक ने चंडिका को दूर उछाल फेंका-
अब, जब तक ये वापस मुझ तक आएगी, तब तक मैं इसके लिए तैयार हो चुका होऊंगा...

लेकिन-
अरे! चंडिका अपन मेरी तरफ नहीं आ रही है! वह भी बाहर भाग रही है!
दोनों ही गायब हो चुके हैं! जरूर मेंटल ने ही चंडिका को बुलाया होगा! लेकिन चंडिका को साथ ले जाने से उसका भला क्या फायदा? वह तो मुझे अपना हिट मैन बनाना चाहता है!
उस पूरे दिन हर एक उड़ती चिड़िया और सड़क पर घूमता हर एक जानवर मेंटल को ढूंढ रहा था-
लेकिन मेंटल का कहीं कोई पता नहीं चला-
पता चला तो सिर्फ चंडिका का-
जो अपने आपे में नहीं थी-
आऽऽऽह!

कबूतर के यह खबर ध्रुव तक पहुंचाते में समय नहीं था-
चीं ऽऽऽ चीं चीं चीं
ओह! चंडिका किन्हीं इंडस्ट्रियलिस्ट पर हमला कर रही है! और उनके बॉडीगार्डों को भी पीट रही है!
यानी जब मैंडम का मुझ पर वश नहीं चला तो उसने मेरे बजाय चंडिका को ही अपना किलर बना लिया! और अब वह उसके जरिए हत्याएं करके अपने नाम की दहशत फैलाना चाहता है!
मैं अभी जाकर चंडिका को मैंडम के चंगुल से मुक्त कराता हूं!
चंडिका के हाथों आज तक हत्या हो ही जाती थी-
अगर सही समय पर-

ध्रुव उनको रोकने के लिए घटनास्थल पर न पहुंच जाता-
ये क्या कर रही हो, चंडिका? छोड़ो ये पागलपन और अपने आप पर काबू करो!...
...अपने आप से लड़ो! तुम कानून की रखवाली हो चंडिका, हत्यारी चंडिका नहीं!
जितना ध्रुव समझ रहा था-
इस षड्यंत्र की गहराई उससे कहीं ज्यादा थी-
एक्सलेंट! ध्रुव आ चुका है! चंडिका ने सिर्फ एक चारा है! जिसका इस्तेमाल मैंने ध्रुव जैसी बड़ी मछली को फंसाने के लिए किया है!
...उसको अपना गुलाम बना लूंगा! फिर ... होगा ध्रुव! और ध्रुव तथा न्यूरोगाइड की सम्मिलित शक्ति से मैं अमेरिका के राष्ट्रपति तक की जिन्दगी को जब चाहूंगा खींच लूंगा!
न्यूरोगाइड की स्कैनिंग का ध्रुव के दिमाग पर होता असर साफ नजर आ रहा था-
ध्रुव ने छिपकर इस हमले से बचने की कोशिश भी करी-
अब चंडिका ध्रुव को बिज़ी रखेगी! और इसी दौरान मैं आराम से ध्रुव के दिमाग का स्कैन करके...

लेकिन चंडिका ने ध्रुव को भागने का मौका नहीं दिया-
ध्रुव को उस अंधेरे कोने में वापस खींच लिया गया-
और जिन्दगी तथा मौत का संघर्ष एक बार फिर शुरू हो गया-
हाहाहा! योजना सफल रही! ध्रुव मेरा गुलाम बन चुका है!
लेकिन मुझे इस बात का यकीन तब तक नहीं होगा जब तक मैं इस बात की टेस्टिंग नहीं कर लूंगा!
ध्रुव ने आज तक किसी की जान नहीं ली है! अगर आज इसने चंडिका की जान ले ली तो फिर ये हमेशा के लिए हत्यारा बन जाएगा! फिर ये चाहकर भी मुझसे अलग नहीं हो सकेगा!
और जान लेने का तरीका भी अलग होना चाहिए! ध्रुव ने आज तक पिस्तौल जैसे हथियार को कभी नहीं उठाया है! आज वह इसी से चंडिका की जान लेगा!
चंडिका और ध्रुव दोनों ही ऐसे कठपुतलों की तरह लड़ रहे थे जिसकी
उसके एक ही इशारे पर चंडिका ध्रुव पर भारी पड़ने लगी-
ध्रुव की सांस उसके गले में ही अटककर रह गई-

मेंटल द्वारा कंट्रोल किए जा रहे ध्रुव के दिमाग में बस एक ही ख्याल आया-
पिस्तौल उठाओ!
और उसको चंडिका पर दाग दो!
धड़ाक
लेकिन चंडिका के शरीर में धंसी गोलियां और उनसे लगातार बहता लहू भी-

इसके जुनून को कम नहीं कर पाया था-
अब जरूरत थी तो एक निर्णायक वार की-
वह नुकीली रॉड चंडिका का पेट चीरती हुई पीठ के पार हो गई-
हा हा हा! शाबाश, शाबाश! हत्यारों की जिन्दगी में तुम्हारा स्वागत है ध्रुव! अब तुम मेरे किलर लेकर बन हो!

आओ ध्रुव, चलो मेरे साथ!
कुछ ही समय बाद-
अनधिकृत प्रवेश निषेध
और ये है...
तू—तुम यहाँ पर?
तुम अपनी मर्जी से इनके साथ यहाँ पर आए हो?

इसीलिए मैंने पहले से ही तैयारी कर ली थी। मुझे पता था कि चंडिका से लड़ने के लिए घटनास्थल पहुंचते ही, पास में कहीं छिप मेंटल मेरे दिमाग को काबू में करने की कोशिश करेगा। इसीलिए मैंने सोलोमान को अपने रूप में चंडिका से लड़ने के लिए आगे भेज दिया था। सोलोमान को यह बता दिया गया था कि जैसे ही उसको अपने दिमाग में कुछ होता सा महसूस हो तो वह उस अंधेरे कोने की तरफ भागना शुरू कर दे जहां पर मैं छिपा हुआ था।
जब चंडिका ने भागते हुए ध्रुव को वापस खींचा था तो उसने सोलोमान को नहीं मुझे खींचा था। सोलोमान को मैंने तुरन्त नर्व गैस की मदद से बेहोश कर दिया था।
ओह! लेकिन जब तुम मेंटल के वश में नहीं थे तो तुमने चंडिका की जान क्यों ली?
चंडिका की जान किसी ने नहीं ली, जो कुछ तुमने देखा वह फिल्मी नाटक था।
मेरा दिमाग मेंटल के वश में नहीं था। इसीलिए मेरे लिए यह जानना मुश्किल था कि मेंटल मुझसे क्या चाहता है। लेकिन जब पिस्तौल मेरे पास गिरी तो मैं समझ गया कि मेंटल चंडिका की हत्या पिस्तौल द्वारा करवाना चाहता है। मैं इसके लिए भी तैयार था। मेरे पास वह फिल्मी कारतूस थे जिसमें लाल द्रव भरा होता है और सिर्फ धमाका होता है। चंडिका से गुत्थमगुत्था होते वक्त मैंने पिस्तौल के कारतूस बदल दिए...
और उनको ही चंडिका पर चला दिया। साथ ही साथ मैंने नर्व गैस का एक कैप्सूल भी चंडिका पर छोड़ दिया था। ताकि चंडिका बेहोश होकर गिर जाए और ऐसा इफेक्ट पैदा हो कि वह मर गई है। पर चंडिका में ज्यादा जान थी। इसीलिए मुझे दूसरा नाटक खेलना पड़ा। मेटल नाइकाल में फिट उस फिल्मी छड़ का प्रयोग करना पड़ा जो बदन के आर-पार होने का आभास देती है। तब तक चंडिका बेहोश होकर गिर चुकी थी।
अब समय था मेंटल के साथ खेलने का। मैंने रिमोट के द्वारा थोड़ी दूरी पर रखे इस यंत्र को चालू कर दिया, जिससे पुलिस सायरन की आवाज निकलती थी। पुलिस के डर से मेंटल मुझे लेकर भाग खड़ा हुआ।
पर ये सब तुम मुझे क्यों बता रहे हो? और तुम यहां पर आए क्यों हो?
क्योंकि मेंटल सिर्फ एक मोहरा है। असली अपराधी तो तुम हो जो मेंटल की आड़ में न्यूरोगाइड के इस्तेमाल से अरबपति बनना चाहते हो।

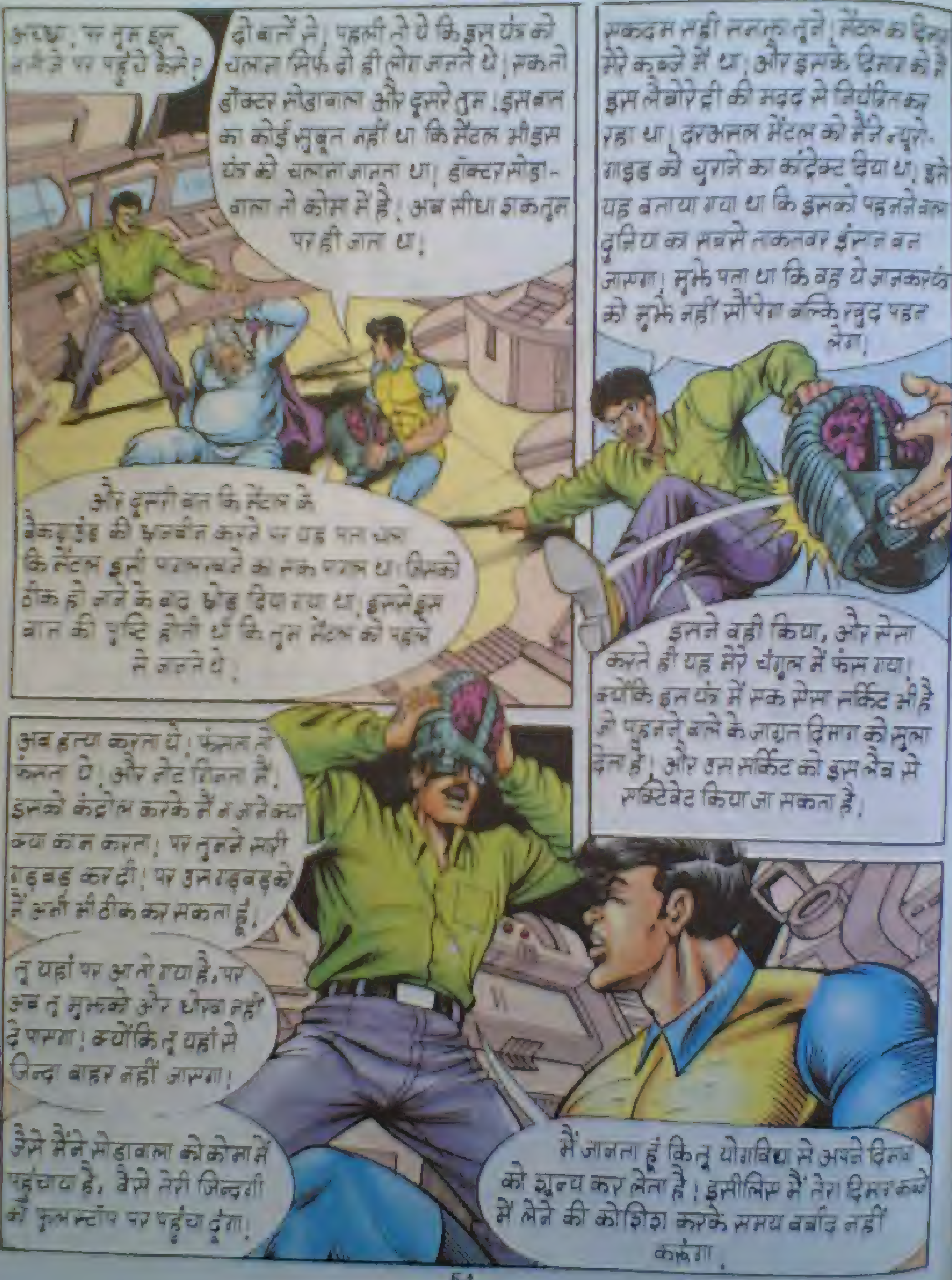
अच्छा, पर तुम इस नतीजे पर पहुंचे कैसे?
दो बातें थे। पहली तो ये कि इस यंत्र को चलाना सिर्फ दो ही लोग जानते थे। एक तो डॉक्टर सोडावाला और दूसरे तुम। इस बात का कोई सबूत नहीं था कि मैंटल भी इस यंत्र को चलाना जानता था। डॉक्टर सोडावाला तो कोमा में है। अब सीधा शक तुम पर ही जाता था।
और दूसरी बात कि मैंटल के बैकग्राउंड की छानबीन करने पर यह पता चला कि मैंटल इसी पागलखाने का एक मरीज था। जिसको ठीक हो जाने के बाद छोड़ दिया गया था। इससे इस बात की पुष्टि होती थी कि तुम मैंटल को पहले से जानते थे।
एकदम सही समझा तूने। मैंटल का दिमाग मेरे कब्जे में था। और इसके दिमाग को मैं इस लेबोरेट्री की मदद से नियंत्रित कर रहा था। दरअसल मैंटल को मैंने न्यूरो-गाइड को चुराने का कांट्रेक्ट दिया था। इसे यह बताया गया था कि इसको पहनने वाला दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान बन जाएगा। मुझे पता था कि वह ये जानकारी को मुझे नहीं सौंपेगा बल्कि खुद पहन लेगा।
इसने वही किया, और ऐसा करते ही यह मेरे चंगुल में फंस गया। क्योंकि इस यंत्र में एक ऐसा सर्किट भी है जो पहनने वाले के जाग्रत दिमाग को सुला देता है। और उस सर्किट को इस लैब से एक्टिवेट किया जा सकता है।
अब हत्या करता थे। फंसता तो फंसता ये। और नोट छिनता मैं। इसको कंट्रोल करके मैं न जाने क्या क्या काम करता। पर तुमने सारी गड़बड़ कर दी। पर उस गड़बड़ को मैं अभी ही ठीक कर सकता हूं।
तू यहां पर आ तो गया है, पर अब तू मुझको और धोखा नहीं दे पाएगा। क्योंकि तू यहां से जिन्दा बाहर नहीं जाएगा।
जैसे मैंने सोडावाला को कोमा में पहुंचाया है, वैसे तेरी जिन्दगी को फुलस्टॉप पर पहुंचा दूंगा।
मैं जानता हूं कि तू योगविद्या से अपने दिमाग को शून्य कर लेता है। इसीलिए मैं तेरा दिमाग कब्जे में लेने की कोशिश करके समय बर्बाद नहीं करूंगा।

मैं अपना समय तुमको खत्म करने में बर्बाद करूंगा। देख, ये है न्यूरोगाइड की एक और खूबी। इल्यूज़नल इमेज प्रोजेक्शन, यानी भावनाओं को रूप देकर उनको सजीव करने वाला सर्किट।
तूने अभी तक मेरा अच्छा रूप देखा था। अब देख मेरा बुरा रूप। ...
... जो खास तौर से तेरे लिए तो बहुत बुरा है।
ओह! इस डर से निपटने का तरीका तो सचमुच मेरे पास नहीं है।

क्योंकि मैं किसी प्रोजेक्शन यानी प्रक्षेपित छाया को छू भी नहीं सकता...
... लेकिन इसकी मानसिक ऊर्जा मेरे नर्वस सिस्टम को नष्ट करने के साथ-साथ मुझे खाक भी कर सकती है।
हा हा! मेरा बुरा रूप अच्छा लग रहा है। इससे तू किसी भी हालत में नहीं बच सकता, ध्रुव!
क्योंकि ये इमेज दिमाग की स्पीड से चलती है! पलक झपकते कहीं से कहीं भी पहुंच सकती है!

...चूहे जितनी छोटी भी हो सकती है, और डायनासोर जितनी बड़ी भी!
ओह! इसको रोक लो पार्थो! वर्ना मुझे पकड़ने के चक्कर में तुम अपनी लैब को खुद ही तबाह कर लोगे!
इतनी पुरानी और घटिया चाल मुझ पर नहीं चलेगी, ध्रुव! ये लैब टूटती है तो टूट जाए! मैं नई लैब बना लूंगा!
अरे तेरी मौत की कीमत तो ऐसी हजारों लैबों से भी ज्यादा है!
ओऽऽऽ! वाकई पुरानी चाल थी! अब तो न बचने का रास्ता है और न ही भागने का! अब सिर्फ सोहावाला ही मुझको बचा सकते हैं, और वे कोमा में हैं! एक मशीन के सहारे जीवित हैं! काश, वे होश में आ जाएं और यहां पर आकर मेरी मदद कर सकें!...
...ओ! शायद वे अभी भी मेरी मदद कर सकते हैं!
PUSH FOR NETWORK CONNECTIVITY
कम्प्यूटर नेटवर्क सिस्टम के द्वारा! ये बटन दबाने से न्यूरोगाइड का कम्प्यूटर सिस्टम नेटवर्क द्वारा, उस मशीन के सिस्टम से भी जुड़ जाएगा, जो डॉक्टर सोहावाला के ब्रेन को मॉनिटर करके उनका इलाज कर रही है!
यानी दूसरे शब्दों में डॉक्टर सोहावाला का अचेतन मस्तिष्क उस कंप्यूटर के द्वारा नेटवर्क से होता हुआ, न्यूरोगाइड के कंम्प्यूटर सिस्टम तक पहुंच सकता है!

पार्थो के अनुसार ये इमेज उसकी बुरी भावनाओं की इमेज है! अब मैं सिर्फ उम्मीद कर सकता हूं कि डॉक्टर सोडावाला की अच्छी भावनाएं पार्थो की बुरी भावनाओं पर हावी हो सके, और इस प्रकार से पार्थो का घातक रूप नष्ट हो सके!
आऽऽऽह! मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है! पूरा शरीर लकवाग्रस्त हो सकता है! कुछ ही सेकंडों में मेरा पूरा नर्वस सिस्टम हमेशा के लिए नष्ट हो जाएगा!
और मैं हमेशा के लिए एक चलती-फिरती लाश बनकर रह... अरे!
मेरा आइडिया काम कर रहा है! सोडावाला मेरी मदद कर रहे हैं!
सोडावाला तेरी मदद कर रहा है! पर कैसे?... मेरी... मेरी इमेज नष्ट क्यों हो रही है?
ये बात समझने में तुमको जरा वक्त लग सकता है!...
...जब तुम सलाखों के पीछे होश में आओगे तो पुलिस वाले तुमको पूरा किस्सा आराम से समझाएंगे!

और फिर-
अपने साथियों को ठीक करने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं डॉक्टर सोडावाला!
धन्यवाद कैसा? ये सब तो मेरी ही गलती के कारण हुआ है! इनको ठीक करना तो वैसे भी मेरी जिम्मेदारी थी!
धन्यवाद तो मुझको तुम्हारा अदा करना चाहिए!...
...अगर तुम नेटवर्क द्वारा मेरे और पार्थो के दिमाग को न जोड़ते तो पार्थो मुझको कभी ठीक नहीं होने देता!
अब इस यंत्र के नष्ट होने का वक्त आ गया है! मैं इसको 'इलेक्ट्रिक' भट्टी में डालकर जला देता हूं!
OVEN
पर क्यों डॉक्टर सोडावाला? आपका ये अविष्कार तो पूरी मानवजाति के लिए वरदान साबित हो सकता है!
जिस वस्तु का उपयोग गलत कार्यों के लिए होने लगे, उस अच्छी वस्तु का भी नष्ट हो जाना ही ठीक है!
महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने परमाणु ऊर्जा की खोज भी शायद यही सोच-कर की थी! पर आज परमाणु बिजलीघर कम और परमाणु हथियारघर ज्यादा बनते हैं!
वाह, वाह! क्या मैसेज है! क्या प्लॉट है! मैं अपनी अगली फिल्म इसी सब्जेक्ट पर बनाऊंगा! नाम होगा भक्षक!
जरूर बनाइए! पर भक्षक का रोल मुझको ही दीजिएगा!
क्योंकि मुझसे बड़ा भक्षक फिलहाल हो ही नहीं सकता!
मैंने दो दिनों से कुछ नहीं खाया है, और मुझे भक्षक को कसकर भूख लगी है!
OVEN
आइए, आज आप सबका खाना मेरे साथ है!
समाप्त.

Vinod Yadav